सेमीकंडक्टर उद्योग का हब बनेगा उप्र

निवेशकों को वित्तीय व अन्य प्रोत्साहन दे रही योगी सरकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : उत्तर प्रदेश को सेमीकंडक्टर उद्योग का हब बनाकर राज्य सरकार ताइवान, अमेरिका और कोरिया को टक्कर देने की तैयारी कर रही है। हाल ही में तैयार की गई प्रदेश के नई सेमीकंडक्टर नीति को सरकार से मंजूरी मिलने के बाद निवेशक काफी उत्साहित हैं। इस क्षेत्र की कई कंपनियों ने प्रदेश की इस नीति की सराहना की है। नई नीति के तहत प्रदेश में निवेश के लिए वित्तीय व गैर वित्तीय प्रोत्साहन दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कोशिश है कि 1.5 ट्रिलियन डालर के सेमीकंडक्टर बाजार पर उत्तर प्रदेश का दबदबा कायम हो। अभी इस बाजार पर ताइवान की टीएसएमसी, अमेरिका की इंटेल और कोरिया की सैमसंग का बोलबाला है। माइक्रो-इलेक्ट्रानिक्स उद्योग में सेमीकंडक्टर की मांग लगातार बढ़ रही है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में इस उद्योग का कुल वैश्विक राजस्व 950 बिलियन यूएस डालर से अधिक रहा है। सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में ताइवान की 60 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

- **ताइवान, अमेरिका और कोरिया को टक्कर देगा यूपी**

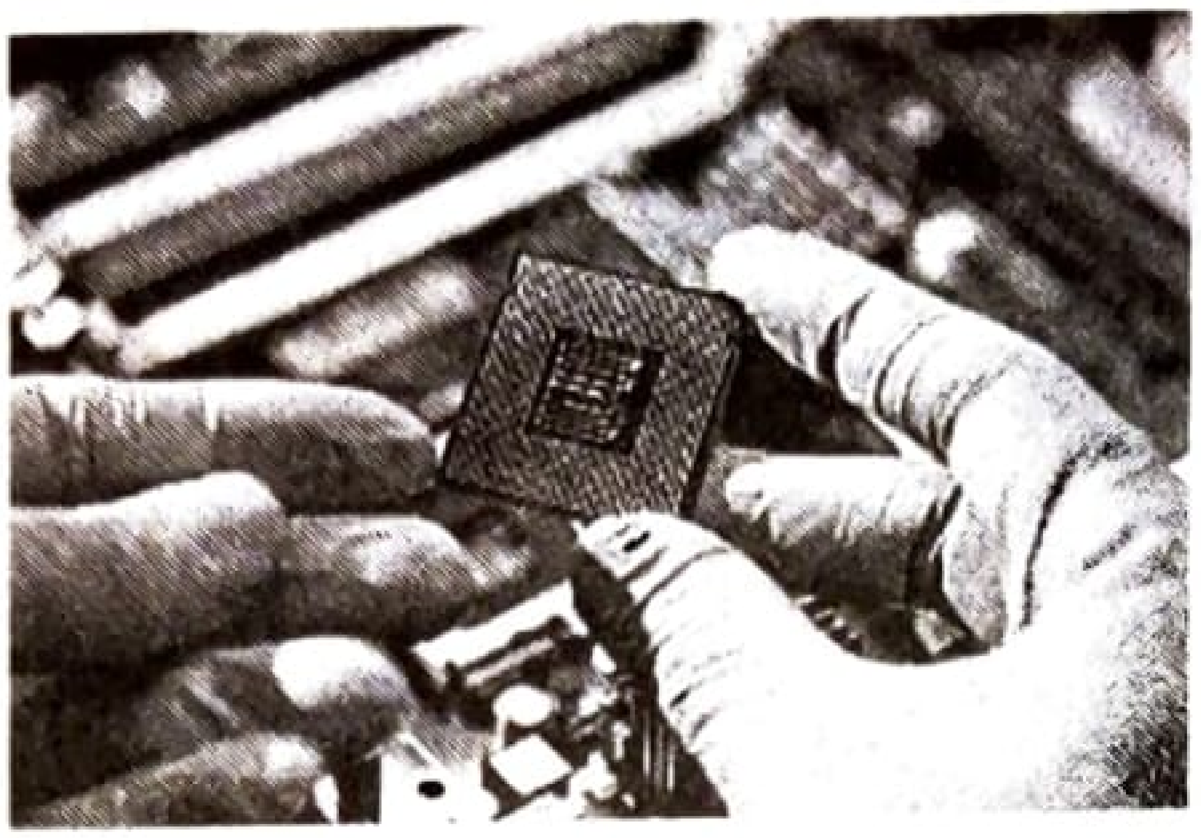

सरकार देगी वित्तीय और गैर वित्तीय प्रोत्साहन

निवेशकों को आकर्षित करने के लिए नई नीति में उत्कृष्टता केंद्र, पेटेंट पंजीकरण शुल्क, औद्योगिक आवास के लिए वित्तीय प्रोत्साहन की व्यवस्था की गई है। वहीं मिशन क्रिटिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर, जलापूर्ति, ओपन एक्सेस, पावर बैंकिंग, निर्बाध बिजली आपूर्ति, तीन पालियों में परिचालन और स्वप्रमाणन के गैर वित्तीय प्रोत्साहन की भी सुविधा प्रदान की गई है।

प्रदेश की नई सेमीकंडक्टर नीति को हीरानंदानी ग्रुप, टार्क सेमीकंडक्टर, वेदांता, एएमडी, इंटेल, कायंस टेक्नोलाजी, जिंदल ग्रुप, एएम टेक्निकल साल्यूशन्स, नोमिस पावर जैसे उद्योगों के वरिष्ठ अधिकारी और इंडियन सेल्युलर एंड इलेक्ट्रानिक्स एसोसिएशन एवं इलेक्ट्रानिक्स इंडस्ट्रीज एसोसिएशन आफ इंडिया जैसे संगठनों ने अन्य प्रदेशों की नीतियों से बेहतर बताया है। सेमीकंडक्टर उत्पादों की मांग आटो सेक्टर, आटो कंपोनेंट्स, एविएशन, बायोटेक, आइटी एवं बिजनेस प्रासेस मैनेजमेंट सेक्टर, फार्मा, केमिकल, कंस्ट्रक्शन, डिफेंस, लेदर, रिन्युवेबल, रोड, इलेक्ट्रानिक्स, फूड प्रोसेसिंग, पोर्ट्स, टेक्सटाइल्स, थर्मल पावर, पर्यटन, मीडिया, वेलनेस, माइनिंग, आयल, गैस, कैपिटल गुड्स और रेलवे में सबसे ज्यादा है।

यह और उप्र की राजनीति, सरकार और अपराध संबंधित अन्य खबरें www.jagran.com पर पढ़ें